उद्देश्य

17 अगस्त 2019 को शिक्षाविद सम्मेलन में पारित संकल्प पत्र

देश की शिक्षा भारत के नवनिर्माण में आधारभूत भूमिका का निर्वहन कर सकें और वर्तमान की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने देश के छात्र अग्रणी हो सकें तथा सामाजिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों के समधान हेतु सक्षम बन सके - इस दिशा मे हम अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं । हम विशेष कर निम्नांकित बिंदुओं को प्राथमिकता देते हुए अपने-अपने संस्थानों में एवं देशभर के सभी प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों में इनके क्रियांवयन हेतु निष्ठापूर्वक प्रयास करेंगें:-

1. चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा
2. पर्यावरण शिक्षा
3. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध
4. मात्रभाषा में शिक्षा
5. शिक्षा में भारतीय दृष्टि तथा ज्ञान का समावेश
6. शिक्षा को स्वायत्त तथा व्यवहारिक दृष्टि देना

उपरोक्त विषयों को क्रियान्वित करने के लिये हम निम्नलिखित संकल्प लेते हैं:-

(1) हम छात्रों में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास पर बल देते हुए उनके समक्ष एक उदाहरण के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करेंगे तथा अपने संस्थानों में, मूल्य आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देंगे ।

(2) हम अपने संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण हेतु कदम उठाएंगे और छात्रों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जाग्रत करने के लिए उचित शिक्षा देंगे ।

(3) हम अपने संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु पाठ्यक्रमों का नियमित अंतराल पर पुनरीक्षण करने के साथ-साथ शोध को बढावा देंगे ।

(4) हम अपनी मात्रभाषा के प्रति अपने संस्थान में शिक्षकों और छात्रों में प्रेम एवं आदर का भाव जगाएंगे और मात्रभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे ।

(5) हम भारत की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास एवं भारतीय ज्ञान परम्परा से छात्रों को अवगत कराएंगे ।

(6) हम अप्ने संस्थानों में पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक शिक्षा तथा अनुभवजन्य अधिगम पर जोर देंगे तथा शिक्षा में कौशल विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहित करेंगे ।

देशभर के सभी सरकारी तथा गैर-सरकारी शैक्षिक संसथानों में हम सभी शिक्षाविद् , कुलाधिपति, कुलपति, निदेशक, प्राचार्य, शिक्षक अभिभावक आदि सभी प्रकार के भेदभाव एवं पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर उक्त बिंदुओं के क्रियांवयन हेतु प्रयास करेंगे ।

हम यह मानते हैं कि शिक्षा सरकारों के साथ-साथ मूलता समाज का विषय है । शिक्षा-क्षेत्र में नीति-निर्माण आदि की दिशा में सरकारों की निश्चित भूमिका है, परंतु क्रियान्वयन करने में समाज की विशेषत: शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है । इसलिए हम अपने-अपने सतर पर शिक्षा में भारतीय दृष्टिकोण को स्थापित कर शिक्षा में नए विकल्पों को क्रियान्वित करने का निष्ठापूर्वक प्रयास करेंगे ।

अंतत: हम सब मिलकर भारत के नव निर्माण हेतु सर्वसम्मति से शिक्षा में मूलभूत परिवर्तन की प्रतिबद्धता को पुन: संकल्पित करते हैं ।

यह संकल-पत्र शिक्षा संस्क्रति उत्थान न्यास द्वारा 17, 18 अगस्त, 2019 को दिल्ली में आयोजित ज्ञानोत्सव 2076 में कुलाधिपति. कुलपति, केन्द्रीय संस्थानों के प्रमुख, राज्य के शिक्षा मंत्री, शिक्षा क्षेत्र में सामाजिक स्तर पर कार्य करने वाले संस्थानों के प्रमुख एवं शिक्षक आदि 600 से अधिक शिक्षाविदों ने सर्वसम्मती से यह संकल्प पत्र स्वीकार किया है ।